नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक २५ वि.सं. २०८२ सावन २५ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४८) [Sunday 10 August 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

कैलाली कारागारमे तीन दिनसे तनाव

दुई पक्षके मारपिटौवरसे एक जानेक मृत्यु, ४७ जाने घाहेल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ सावन । कैलाली जिल्ला कारागारमे विफेक रोजसे तनाव बहल बा । शुकके रात एक जानेक ज्यान गरी ओ दर्जनौ घाहेल हुइलक घटनासे कैदीबन्दीहुक्रे त्रसित हुइल बटै ।

शुकके आधारात कारागारके ब्लक ए के कैदीसे ब्लक बी मे रहल कैदीउप्पर रड, जिमखानाके सामग्री, ढुंगाले अन्धाधुन्ध आक्रमण करेबेर धनगढी उपमहानगरपालिका-४ के ४० वर्षीय भरत चौधरीके ज्यान गैल बा । मृतक लागुऔषध मुद्दामे थुनामे रहिट । मृतकके लाश सेती प्रादेशिक अस्पताल धनगढीके शव गृहमे धारल बा । कलेसे आफन्तहुक्रे घटनाके छानविन करके दोषीहे कार्वाही नैकरटसम लाश नैउठैना बटैले बटै ।

हिंसात्मक झडुपमे परके ४७ जाने कैदी घाहेल हुइल बटै । जेम्ने मध्ये तीन जानेक अवस्था गम्भीर रहल बा । गम्भीरमध्ये दुई जानेक आइसियूमे उपचार हुइटी रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके प्रवक्ता डिएसपी राजकुमार सिंह जनैलै ।

घाहेल सक्कुहुनके सेती प्रादेशिक अस्पतालमे उपचार हुइटी रहल बा । घटना पश्चात कैलाली कारागारहे कैदीसे नियन्त्रणमे लेले बटै । ओइने मूल गेटमे ताल्चा लगाके ग्याँस सिलिन्डर तेरसाइल जनाइल बा । कारागारभिटर कोई पैठना प्रयास करलेसे सिलिन्डर पड्काके आगी लगैना ओइनके चेतावनीके कारण सुरक्षा निकायसमेत कारागारमे प्रवेश करे सेकल नैहो ।

विफेक रोजफे मारपिटौवर सुरु हुइल रहे । जौन दिन ५ जाने घाहेल हुइल रहिट । कलेसे शुकके रात हुइल घटनामे एक जानेक ज्यान गैल, ४७ घाहेल हुइल हुइलै, ओम्नेसे मन्से ३ जानेक अवस्था गम्भीर रहल प्रहरी जनैले बा ।

घाहेल हुइल जनक देउवा धनगढी-५ कैलाली, रोशन शाही धनगढी- ५ कैलाली, जीवन खत्री गोदावरी नगरपालिका-९ कैलाली, नविन नाथ गौरीगंगा-७ कैलाली, शरद चौधरी धनगढी-५ कैलाली, नरेश राना धनगढी-१३ कैलाली, वसन्त खत्री धनगढी-८ कैलाली, राम निवास राना धनगढी-१० कैलाली, कर्ण सलामी मगर मोहन्याल-३, कैलाली, अभिषेक चौधरी घोडाघोडी-५ कैलाली, धिरज बम बर्दगोरिया गाउँपालिका-१ कैलाली रहल बटै

ओस्टेक करके मेकेन्द्र गिरी त्रिवेणी नगरपालिका-८ बाजुरा, रन्जित सिंह लखिमपुर कवेरी भारत, निरज जैशी जानकी गाउँपालिका-९ कैलाली, जगदिश राना धनगढी-१० कैलाली, हिमाल राना धनगढी-८ कैलाली, बल राना धनगढी-५ कैलानी रहल बटै ।

ओस्टे हर्क गिरी धनगढी-१८ कैलाली, जनक भण्डारी लम्कीचुहा-१० कैलाली, किशोर खडायत भीमदत्त-८ कञ्चनपुर, अमित भुल, *(बाँकी २ पेजमे)*

तीन सयसे ढेर हेक्टरमे सिँचाइ विस्तार

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे एक बरसमे प्रदेशमे ३७८ हेक्टर जमिनमे सिँचाइ सुविधा विस्तार करले बा ।

प्रदेश सरकारसे गत आर्थिक बरस २०८१/८२ मे एक हजार ५४७ साना सिँचाइ आयोजनामार्फत सिँचाइ सुविधा विस्तार करल हो । ओस्टके, प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना अन्तर्गत बैतडीमे १०० रोपनी ओ दार्चुलामे १२.५ हेक्टर क्षेत्रफलमे आलुखेती विस्तार करल बा ।

डोटीमे सुन्तला, बाजुरामे ४.१६ हेक्टर क्षेत्रफलमे ओखरखेती विस्तार हुइल जनाइल बा । डडेल्धुरामे २५० वर्ग किलोमिटर ओ कञ्चनपुरमे ४० हेक्टर जमिनमे तरकारी खेती विस्तार करल प्रदेश सरकारसे सार्वजनिक करल एक बरसके कार्य प्रगति विवरणमे उल्लेख रहल बा ।

कैलालीमे टिनाटावनके बीया, कञ्चनपुरमे ४० हेक्टरमे टिना खेती ओ बझाडमे टिना, आलु सहित नौ ब्लक स्थापना हुइल प्रदेश सरकारसे जानकारी डेले बा । ओस्टके, अछाममे तीन हेक्टर, बझाडमे १५ हेक्टर, बैतडीमे नौ हेक्टर सहित २५ हेक्टर जमिनमे सुन्तला खेती प्रवर्द्धन करल बा । ओस्टके, अछाममे चार, दार्चुलामे एक सहित पाँच हेक्टर जमिनमे कागती बगैचा स्थापना करल बा ।

प्रदेश सरकारसे एक बरसके अवधिमे प्रदेशके १५१ कृषकहे कृषि कर्जा अनुदान प्रदान करले बा । कृषि क्षेत्रके उत्पादन ओ उत्पादकत्व वृद्धि कैना उद्देश्यसे भूमि, व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयमार्फत सरकारसे किसानहे कृषि कर्जा अनुदान प्रदान करल हो । आपन कार्यकालके एक बरसके अवधिमे प्रदेश सरकारसे ९७ लाख कृषि कर्जा अनुदान किसानहे डेहल मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह बटैलै । उहीसे प्रभावित होके कृषकहे कृषि व्यवसायमे २३ करोड ४७ लाख रुपियाँ लगानी करल उहाँके कहाइ रहल बा ।

कृषि क्षेत्रके आधुनिकीकरणके लाग एक बरसके अवधिमे सरकारसे ७४ थान पावरटिलर, ४७९ थान मिनी टेलर, चार मल्टिक्रप थ्रेसर, ८९ कर्न सेलर किसानहे वितरण करले बा । ओस्टके, ३० ठो कम्बाइर राइस मिल, २४५ स्यालो ट्युबबेल, १४ धान थ्रेसर, सात मिनी थ्रेसर, २५ रोटाभेटर, १४ रिपर ओ सातठो गन्ना पेर्ना मेसिन तथा उपकरण किसानहे डेहल बा ।

प्रदेशके पहाडी जिल्लामे जलवायुमैत्री नमुना गाउँ ओ प्रांगारिक मिसन कार्यक्रम सञ्चालन कैके कृषकमाझ जलवायु अनुकुलित प्रविधि पुगाइल जनाइल बा ।

ब्रहमाकुमारीसे सामुहिक रक्षाबन्धन कार्यक्रम

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ सावन । ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं क्षेत्रीय राजयोग प्रशिक्षण केन्द्र धनगढीमे आज सामुहिक रक्षा बन्धन कार्यक्रम हुइल बा ।

परमात्मा सुरक्षा कवच एव परमात्मा स्नेहके प्रतिक महान पर्व रक्षाबन्धनके पावन अवसरमे ब्रहमाकुमारी अलौकिक हिरा डिडी, दुर्गा बैनीलगायतहुकनके हातसे सामुहिक पवित्र रक्षा सुत्र ओ टीका ग्रहण कार्यक्रम हुइल बा ।

सामुहिक पवित्र रक्षाबन्धन कार्यक्रममे सुदूरपश्चिम प्रदेश सभाके निबर्तमान सभामुख अर्जुनबहादुर थापा, पूर्व मन्त्री, प्रदेशसभा, पूर्व मेयर, टमान राजनीतिक व्यक्तित्व, टमान प्रतिष्ठित व्यक्तित्व, नागरिक समाजके व्यक्ति, व्यवसायी एवं सर्वसाधारणके सहभागिता हुइल रहे ।

ओस्टेक करके ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं क्षेत्रीय राजयोग प्रशिक्षण केन्द्रसे सेती प्रादेशिक अस्पतालमे लगायत नीजि अस्पतालमे रक्षा बन्धन ओ फुलफूल वितरण, सुदूरपश्चिम प्रदेशके जनपद प्रहरी गण धनगढीमेफे सामुहिक रक्षा बन्धन कार्यक्रम रहल महेन्द्र खनाल जानकारी डेलै ।

Shaileshwori Farwest School of Health Science & Technology

Dhagnadhi, Kailali

आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धी सूचना

उपरोक्त सम्बन्धमा प्रा.शि. तथा व्या.ता. परिषदबाट मिति २०८२/०४/०५ गतेको प्रकाशित सूचना अनुसार शैक्षिक सत्र २०८२/०८३ का लागि यस क्याम्पसमा सामान्य चिकित्सा, ल्याब टेक्निसियन र डिप्लोमा इन फार्मेसी कार्यक्रममा भर्ना अनलाइन आवेदन फाराम खुलेको व्यहोरा जानकारी गराइन्छ ।

अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने तथा बुझाउने सम्बन्धी व्यवस्था:

- आवेदन फाराम शुल्क: १०००।- (एक हजार मात्र)
- अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने मितिः २०८२ श्रावण ०६ गतेदेखि
- अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने अन्तिम मितिः २०८२ श्रावण २५ गतेसम्म
- अनलाइन आवेदन फाराम सम्बन्धमाः अनलाइन आवेदन फाराम www.ctevtexam.org.np मा उपलब्ध गराइएको ITMS Online मा भरी Submit गर्नुपर्नेछ ।
- अनलाइन आवेदन बापतको शुल्क फाराम भर्दाको समयमा नै Connect IPS वा Khalti Digital Wallet प्रयोग गरी रकम बुझाउनु पर्नेछ ।

अनलाइन आवेदन फाराम भर्न चाहिने आवश्यक कागजातहरू:

१. रंगिन फोटो 35mmx45mm साइज (२) प्रति
२. SEE नतिजा Online बाट प्रिन्ट गरेको (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा)/पुरानो SEE/SLC को हकमा सक्कल मार्कसिट ।
३. SEE सक्कल प्रवेशपत्र (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा) ।
४. चारित्रिक प्रमाणपत्र (Character Certificate) सक्कल ।
५. जन्मदर्ता वा नेपाली नागरिकता सक्कल ।
६. TSLC को हकमा SEE/SLC/TSLC अध्ययन गरेको सम्पूर्ण शैक्षिक कागजातहरू सक्कल ।
७. लक्षित वर्गको हकमा सो खुल्ने आवश्यक प्रमाणपत्र ।
८. शिक्षालयले अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धमा आवेदक विद्यार्थीहरूलाई सहजीकरण गर्न सक्नेछ ।
९. सामान्य चिकित्सा (४०) मेडिकल ल्याब टेक्नोलोजी (३०) र डिप्लो इन फार्मेसी (४०) जनाको सिट सीमित छ ।
१०. सम्पर्क नं. ९८५८४२३५०६/०९१-५२१३०५

विमला पौडेल
क्याम्पस प्रमुख

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

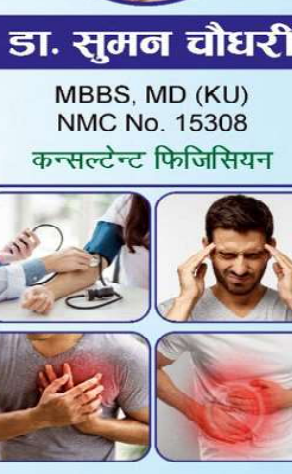

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

एक हजारसे ढेर बिरामीहे नि:शुल्क रगत प्रदान

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे एक बरसमे एक हजारसे ढेर बिरामीहे नि:शुल्कमे रगत उपलब्ध करैले बा ।

प्रदेश सरकारसे एक हजार १८७ जाने बिरामीहे दुई हजार १४८ पिन्ट रगत नि:शुल्कमे उपलब्ध कराइल हो । सरकारी अस्पतालमे उपचार करैना प्रदेशवासीहे सरकारसे नेपाल रेडक्रस सोसाइटीके रक्त सञ्चार केन्द्रमार्फत नि:शुल्क रुपमे रगत उपलब्ध करैटी आइल बा ।

ओस्टके, रैथाने बालीमे आधारित मुख्यमन्त्री वृद्धवृद्धा तथा असहाय लक्षित पोषण कार्यक्रम अन्तर्गत पोषण सामग्री आपूर्ति करल मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह जानकारी डेलै । एक बरसके अवधिमे ४८ जाने महिलाके आङ गिर्ना समस्याके नि:शुल्क शल्यक्रिया करल जनाइल बा । अछामके बयलपाटा अस्पतालमे शल्यक्रिया करल रहे । जौनमध्ये एक जनहनके क्यान्सर रोगके पहिचान होके उपचार हुइटी रहल प्रदेश सरकार जानकारी डेलै ।

ओस्टके, एक बरसके अवधिमे एक लाख ४६ हजार ६१२ बालिकामे पाठेघर मुहके क्यान्सरविरुद्ध एचपिभी खोप लगाइल बा । ओस्टके, अटिज्म रोग पहिचानके लाग २८९ जनहनके परीक्षण करल ओ आठ जाने बालबालिकाके शल्यक्रिया करल बा । स्वास्थ्य निर्देशनालयमार्फत एआई प्रविधिसे क्षयरोगके बिरामी पत्ता लगाइक लाग चेकजाँच, परीक्षण करल बा । २२ हजार जनहनके परीक्षण करेबर एक हजार ५०० जनहनमे सम्भावित क्षयरोग ओ १५२ जनहनमे क्षयरोग पुष्टि हुइल प्रदेश सरकारसे आपन प्रगति विवरणमे उल्लेख करले बा ।

ओस्टके, छ हजार महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविकाके स्वास्थ्य बिमा करल, शिविर सञ्चालन कैके ११ हजार महिलाहे प्रजनन् स्वास्थ्य सेवा प्रदान करल, स्क्रिनिङ कार्यक्रममार्फत १४ हजारसे ढेर जनहनके नैसर्ना रोगके स्क्रिनिङ करल जनाइल बा । घोरीघोरा स्वास्थ्य उपचार कार्यक्रमअन्तर्गत कैलालीमे ८४४ ओ कञ्चनपुरमे तीन हजार ५५३ जनहनके सिकलसेल एनिमिया ओ थालेसेमिया रोग परीक्षण करल बा ।

प्रदेश सरकारसे आर्थिक रुपसे विपन्न नागरिकके आर्थिक सहायता कार्यक्रम अन्तर्गत ६४५ जनहनहे एक लाख रुपियाँके दरसे सहायता करल बा । जेम्ने क्यान्सरके ४९३, मिर्गौला प्रत्यारोपणके १९, मस्तिस्क घातके १२, स्पाइनल सर्जरीके ४३, मुटु शल्यक्रियाका ६६ ओ बोनम्यारो प्रत्यारोपणके एक जाने सहायता प्राप्त करल प्रदेश सरकार जानकारी डेले बावै ।

कैलाली कारागारमे...

टिकापुर-१ कैलाली, कल्पेश विष्ट टिकापुर-१ कैलाली, दीपक खत्री, गोदावरी-१० कैलाली, दिनेश साउँद लम्कीचुहा-१ कैलाली, रवि चौधरी धनगढी-४ कैलाली, अक्तित बाँनिया पालिनन्दन-१ नवलपरासी, सिद्धार्थ बडेला गोदावरी-९ कैलाली रहल बटै ।

बिवेक चौधरी जोशीपुर-१ कैलाली, मनिष चौधरी कैलारी-८ कैलाली, गौरब बम शुक्लाफाँटा-८ कञ्चनपुर, विवस चौधरी घोडाघोडी-३ कैलाली, शिव थापामगर टिकापुर-१ कैलाली, अर्जुन खड्का धनगढी-१३ कैलाली, पुष्पेन्द्र राना लखिमपुर खिरी वनगाउ भारत, नरेन्द्र घरेडी डिलासैनी गाउँपालिका-२ बैतडी रहल बटै ।

देवेन्द्र सिंह जानकी गाउँपालिका-२ कैलाली, सन्जु दमाई बर्दगोरीया-३ कैलाली, विरेन्द्र चौधरी गोदावरी-१ कैलाली, मानवीर चौधरी धनगढी-८ कैलाली, मिलन चन्द धनगढी-५ कैलाली, बिरबहादुर विष्ट, आयुश भट्ट गोदावरी-२ कैलाली, एकेन्द्र भाट धनगढी-६ कैलाली, सुरेश राना पुनर्वास-१ कञ्चनपुर, पक्तज चौधरी धनगढी-२ कैलाली, मिनबहादुर विष्ट अमरगढी-४ डडेल्धुरा, सुरेन्द्र बम गोदावरी-८ कैलाली रहल बटै । कैलाली कारागार १५० कैदीबन्दी क्षमता रहलमे ७०० बन्दी बटै ।

कैलाली कारागारमे हुइल मारपिटौवरमे परके घाहेल हुइल अवस्था बुझ्न राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगके टोली पुगल बा । सुदूरपश्चिम कार्यालय प्रमुख प्रकाशदत्त भट्ट घाहेलके अवस्था बुझना परिवारसे भेटे नैपाइल उपचारबारे जानकारी नैहुइल गुनासो आइलपाछे आयोग पुगल हो ।

जेलके पछिल्का अवस्था बुझ्न जिल्लाके चारु सुरक्षा निकायके प्रमुख जिल्ला अधिकारी, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी, नेपाली सेना ओ राष्ट्रिय अनुसन्धानके प्रमुखहुक्रे पुगल बटै ।

घटनाबारे गृहमन्त्री लेखक ओ मुख्यमन्त्री शाहविच छलफल

गृहमन्त्री रमेश लेखक ओ सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहबिच कैलाली कारागार घटनाके बारेमे छलफल हुइल बा । काठमाडौँमे रहल मुख्यमन्त्री शाह शनिच्चर गृहमन्त्रीहे भेटघाट करके कैलाली कारागार घटना ओ सुरक्षा सवाल लगायतके विषयमे छलफल करल हुइट ।

छलफलके क्रममे गृहमन्त्री लेखक घटनाहे गम्भीरतापूर्वक लेहल बटाइल मुख्यमन्त्रीके प्रेस तथा जनसम्पर्क सल्लाहकार डम्मर बम जानकारी डेलै ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

आन्तरिक पर्यटन प्रवर्धन

विचार
महेन्द्रमान गुरुङ

गैल वर्ष दसैँमे दुई परिवार मिलके लाङटाङ पद यात्रामे गैल रहे । तिहारमे हेलम्बु पदयात्रामे हम्रे दुई ठो किल गैल । यी दुनु यात्रामे ५० प्रतिशतसे ढेर हमार जैसिन नेपाली पदयात्री रहैं । हेलम्बु जैना क्रममे पहिल रात बास बैठल ठाउँ थोदोङमे ६० वर्ष वरपरके पतिपत्नी दुई जाने चलाइल छोट छोट होटल बा, ओम्ने औरे कोइ फेन स्टाफ नैरहे । यी व्यवसायसे उहाँहुकनके जीविका मजासँग चलल उहासे सुने मिलल । पदयात्राके क्रममे यी जोडी जस्टे होटल वा होमस्टे सञ्चालन करना नेपाली अन्यत्र फेन प्रशस्त मिलठ ।

पदयात्राके क्रममे हमार कुछ वर्षआगे मनाङके तिलिचो ताल गैल रहैं । वहाँ जैना क्रममे फेन लाङटाङ ओ हेलम्बु पदयात्रामे जस्टे व्यवसाय सञ्चालन करना मिलल रहे । अस्टेक पर्यटकीय गन्तव्यके रूपमे परिचित पोखरा, चितवनके सौराहा जैसिन स्थानमे फेन घुमफिर करना ओ मनोरञ्जन लेना नेपालीके संख्या उल्लेख्य देखे मिलठ । अन्य पदयात्रा मार्ग तथा धार्मिक स्थलमे टे और नेपालीके संख्या और बहके पहन, सुन्न ओ देखे मिलठ ।

फेन काठमाडौँके पर्यटकीय क्षेत्र ठमेलललगायत अन्यत्रके रेस्टुराँमे फेन नेपालीके जमघट ओ उपस्थिति सघन डेखाइठ । पाछेक समय रेस्टुराँमे जाके खैना ओ खुवैना चलन बहल बा । यी फेन सुनजाइठ कि खर्च करनामे विदेशी पर्यटकसे नेपाली आगे बटै । नेपाली रहल हो वा पदयात्राके ओत्रे पदयात्राके अभ्यास नैरहल हो कि अभ्यस्त नैहुइल, नेपाली पदयात्री छोट समयमे कुछ ढेर लम्मा दुरीके यात्रा तय करना करल पाजाइठ । अर्थात् प्रकृतिसँग रमैना, समय कुछ लेना ढुक्कसँग बास बैठ्ना कञ्जुस्याइँ करल पदयात्राके क्रममे सुनजाइठ । यदाकदा बासस्थान ओ रेस्टुराँटमे कुछ ढेर मोलमोलाई करना करल कहाइ फेन नैपाइल नैहो ।

पर्यटन वर्ष, पर्यटन दशक, पर्यटक भ्रमण वर्ष अस्टे का-का कटि अभियान फेन चलल बा हमार देशमे । ना राज्य अइसिन अभियानसे अपेक्षित लक्ष्य हासिल करे सेक्ले बा ना टे अइसिन नारा लगाइ छोरले बा । प्रायः अइसिन अभियानसे विदेशी पर्यटकहे टे लक्षित करना स्वाभाविक रूपमे । फेन देशके वैदेशिक मुद्रा आर्जन, बाह्य देशसँगके पहिचान, नागरिकस्तरमे हुइना सम्बन्धहे बलगर बनैना फेन वैदेशिक पर्यटकके आवश्यकता परठ । अइसिन अभियान चलाइ परठ । यम्ने प्रश्न वा आपत्ति करेपरना कौनो कारण नैडेखाइठ । नेपाल प्राकृतिक रूपमे, धार्मिक क्षेत्रके हिसाबसे, सांस्कृतिक महत्वके हिसावसे, रहनसहन, खानपिनके विविधताके दृष्टिकोणसे पर्यटकके लाग आकर्षक देशके रूपमे चिन्हल बा । कैचो विश्वके पर्यटनसम्बन्धी टमान संघ संस्था नेपाल वा नेपालके स्थानहे जाइ परना स्थानके रूपमे चिनाइल बा । पर्यटनके क्षेत्रमे नेपालीके निर्भरता दिनानुदिन बहल पाजाइठ ।

यहोर कुछ वर्षसे नेपाली रोजगारीके लाग किल नैहोके पर्यटकके रूपमे फेन विदेश जैना क्रम बहल बा । सायद आम्दानी बहल हुइ । कुछ औषधी, उपचार तथा धार्मिक पर्यटनमे फेन औरे देशमे निकरठैं । राजन दाहाल एक अध्ययनके आधारमे टुरिज्म तथा एडुभेन्चर जर्नलमे प्रकाशित लेखमे लिख्ले बटैं- नेपाल राष्ट्र बैंकके तथ्यांक अनुसार आर्थिक वर्ष २०१८/१९ के पहिल छ महिनामे नेपाली यात्री अन्तर्राष्ट्रिय यात्रा बिदामे लगभग ४८ अर्ब रुपियाँ खर्च करले रहैं कलेसे विदेशी पर्यटक ओहे अवधिमे केवल ३६.५ अर्ब रुपियाँ किल खर्च करले रहैं । यात्रा प्रतिबन्ध हटाइलपाछे नेपाली फुर्सदके यात्रीसे यात्रा करना प्रवृत्ति रहठ । यिहिनसे विदेशी पर्यटकसे नेपालमे करना खर्चसे ढेर नेपाली विदेश जाँके खर्च करल पाजाइठ । तथापि, यी खर्चमे पर्यटनमे गैल किल हो कि नैहो कना बारेमे छुट्टै विश्लेषण करेपरना रहठ । कुछ वर्षआगे मै भारतके पर्यटनसम्बन्धी तथ्यांक हेरना अवसर पैले रहुँ । उ अनुसार भारत भ्रमण करनामध्ये नेपालसे भ्रमण करना संख्या अनुसार दसौँ स्थानमे नेपाली रहल पाके खुसी हुइना कि नैहुइना हुइल महिनहे ।

अस्टेक संगम प्रसाईसे द काठमान्डु पोस्टमे सन् २०२० मे लेखल अनुसार विगत ७० वर्षसे नेपालमे आन्तरिक पर्यटनहे बेवास्ता करल बा । नेपालमे आन्तरिक पर्यटकके अनुमानित संख्या प्रतिवर्ष ५० लाख बा । २०१९ मे १५ लाख आन्तरिक पर्यटक लुम्बिनीके भ्रमण करलैं, मने २०१९ मे पोखरा, चितवन, अन्नपूर्ण सर्किट, बेनी-जोमसोम क्षेत्र ओ मुगु जैसिन अन्य आन्तरिक गन्तव्यमे भ्रमण करना आन्तरिक पर्यटकके संख्याके रेकर्ड फेला परले नैहो । विकसित राष्ट्रमे आन्तरिक पर्यटन निरन्तर बहलेसे फेन, नेपालमे ओइने प्राथमिकतामे परल नैहुइटैं । गैल हप्ता आन्तरिक पर्यटकसम्बन्धी तथ्यांक कहु मिलि कि कहिके सरकारी निकायके वेबसाइट, गुगल हेरके ओ कुछ उच्च अधिकारीसँग बाट करलेसे फेन ओइसिन तथ्यांक रहल अवस्था रहल नैमिलल । स्वतन्त्र रूपमे कुछ अध्ययन ओ अनुमान करल अंक भर मिलल फेन । पर्यटन बोर्डसे कोभिड महामारीपश्चात् वैदेशिक भ्रमण कम हुइना अवस्थामे आन्तरिक पर्यटनसम्बन्धी अध्ययन करटसम मिल्ना मने उपश्चात् का करल कना विषयमे कुछ नैमिलठ ।

अनुसन्धानकर्ता डेमन्टर ओ दिमित्राकोपौलोके अनुसार आन्तरिक पर्यटन विश्वव्यापी पर्यटन बजारमे सबसे ढेर योगदान करनामे परठ ओ यिहिनसे विश्वव्यापी पर्यटन खर्चके ७५ प्रतिशत खर्च आन्तरिक पर्यटनसे ओगटले बा । कुछके कहाइ अनुसार टे विकासशील देशमे आन्तरिक पर्यटनके विकास अइसिके हुइल बा कि अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटनके तुलनामे दश गुणा ढेर वृद्धि हुइना अनुमान करल बा । अब्बे आइल नेपालके गाउँ गाउँमे होमस्टे खोल्ना चलन बहल बा । प्रदेश तथा स्थानीय तहसे कुछ बजेट छुट्याके कार्यक्रम वा अनुदान डेना व्यवस्था फेन करले बा । मोर गाउँ स्याङ्जा जिल्लाके सिरुवारीमे सुरुमे विदेशी पाहुना किल रहैं कलेसे अब्बे लगभग नेपाली किल रना अवस्था बा । कौनो दिन फेन खाली नैरहठ । कुछ दिन टे पर्यटक रना ठाउँके अभावसे पर्यटक फिर्ता जाइपरना अवस्था फेन रहल गाउँले महिल सुनैले रहैं ।

नेपाली पर्यटक सामान्यत: धेर महँगासे फेन मध्यम वा निम्न वर्गके होटेलमे बैठ्ना करल कारणसे छोट व्यवसायहे यिहिनसे मजा भरथेग करल हुइ कना माने परि । पदयात्रामे रहल छोट व्यवसाय, होम स्टेके रूपमे रहल छोट व्यवसाय, छोट सहरमे रहल होटेल तथा रेस्टुराँ नेपाली ढेर प्रयोग करल जैसिन व्यवसायहे चलायमान कराइ परठ । बहुटि रहल आन्तरिक पर्यटकहे लक्षित कैके नेपाल सरकार कौनो अभियान वा कार्यक्रम करल फाट फुटबाहेक चलाइल मोर जानकारीमे नैहो आइल । नेपालीके बहल क्रयशक्ति, घुमे चाहना करनाके संख्यामे आइल वृद्धि, बाहिर देशमे पर्यटकके रूपमे जैना क्रम बहल तथ्यहे समेत ध्यानमे ढैके नेपाली नागरिकहे कम्तीमे फेन पहिले अपन देश घुम्न कना सन्देश डेना अभियान चलैना आवश्यक बा ।

अद्वितीय पर्यटकीय गन्तव्य नेपाल दूरदृष्टिसहितके पर्यटन नीति २०८२ नेपाल सरकारसे भर्खर घोषणा करले बा । खुसीके बाट माने परि, नीतिमे आन्तरिक पर्यटनसे स्थान पैले रहे । पर्यटन सेवामे आन्तरिक ओ बाह्य पर्यटकके पहुँच अभिवृद्धि करना रणनीति नीतिसे लेहल पाजाइठ कलेसे कार्यनीतिमे प्रमुख आन्तरिक पर्यटकीय गन्तव्यके पहिचान कैके प्रचारप्रसार करना, यात्रा उत्प्रेरणा बिदा, शैक्षिक भ्रमण ओ अध्ययन-अवलोकन भ्रमण, बुद्यौली पर्यटन, माइस पर्यटन जैसिन विशेष सहुलियतसहितके ...स्किम कार्यान्वयनमे नन्ना, आन्तरिक पर्यटकीय वस्तुके प्रवर्धनमे निजी क्षेत्रहे प्रोत्साहन करना, प्राकृतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पर्यटकीय स्थलमे नेपाली पर्यटकहे भ्रमण करना प्रोत्साहन करल बा तथा स्थानीय कला, संस्कृति, शिल्पकला, हस्तकला ओ रैथाने खानपान प्रवर्धनके लाग मेला, महोत्सव, प्रदर्शनी जैसिन कार्यक्रम सञ्चालन करना उल्लेख हुइलसे आन्तरिक पर्यटन प्रोत्साहन करना आगामी वर्षमे उल्लेख्य कार्यक्रम तथा बजेटके व्यवस्था अपेक्षा करे सेक्जाइ ।

सरकारी रूपमे किल नैहोके पर्यटन व्यवसायी, छोट व्यवसायीके संगठनसे अइसिन अभियान चलाइ सेक्लेसे नेपालीहे नेपालभित्रे घुम्न प्रोत्साहित करे सेक्जाइ । अइसिके अभियान चलाके आन्तरिक पर्यटनमैत्री नीति अवलम्बन करेपरना रहठ । आन्तरिक पर्यटक फेन व्यवसायीके लाग आम्दानीके महत्वपूर्ण स्रोत रहल ओरसे आन्तरिक पर्यटकहे ओत्रे सम्मान डेना व्यवस्था कराइ परठ । आन्तरिक पर्यटनमैत्री स्थानके पहिचान कैके पैदल मार्ग, विश्रामस्थल, खैना बैठ्ना ठाउँ बनैना प्रोत्साहित करे परठ । यी विषयमे अध्ययन, अनुसन्धान ओ छलफलहे प्राथमिकतामे ढैना आवश्यक डेखाइठ । छोट व्यवसाय ओ अर्थतन्त्र चलायमान करना करैना महत्वपूर्ण माध्यमके रूपमे स्थापित आन्तरिक पर्यटनहे प्राथमिकतामे ढरना आवश्यक बा । साथे पर्यटनके लाग विदेश जैना नेपालीके खर्च नेपालभित्रे कराइ सेक्लेसे अर्थतन्त्र ओ छोट व्यवसायीहे थप सहयोग पुग्न विश्वास करे सेक्जाइ । यकर अर्थ वैदेशिक पर्यटनहे कम महत्व डेहे परल कना पक्के नैहो ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

> सरकारी रूपमे किल नैहोके पर्यटन व्यवसायी, छोट व्यवसायीके संगठनसे अइसिन अभियान चलाइ सेक्लेसे नेपालीहे नेपालभित्रे घुम्न प्रोत्साहित करे सेक्जाइ । अइसिके अभियान चलाके आन्तरिक पर्यटनमैत्री नीति अवलम्बन करेपरना रहठ । आन्तरिक पर्यटक फेन व्यवसायीके लाग आम्दानीके महत्वपूर्ण स्रोत रहल ओरसे आन्तरिक पर्यटकहे ओत्रे सम्मान डेना व्यवस्था कराइ परठ । आन्तरिक पर्यटनमैत्री स्थानके पहिचान कैके पैदल मार्ग, विश्रामस्थल, खैना बैठ्ना ठाउँ बनैना प्रोत्साहित करे परठ । यी विषयमे अध्ययन, अनुसन्धान ओ छलफलहे प्राथमिकतामे ढैना आवश्यक डेखाइठ । छोट व्यवसाय ओ अर्थतन्त्र चलायमान करना करैना महत्वपूर्ण माध्यमके रूपमे स्थापित आन्तरिक पर्यटनहे प्राथमिकतामे ढरना आवश्यक बा । साथे पर्यटनके लाग विदेश जैना नेपालीके खर्च नेपालभित्रे कराइ सेक्लेसे अर्थतन्त्र ओ छोट व्यवसायीहे थप सहयोग पुग्न विश्वास करे सेक्जाइ । यकर अर्थ वैदेशिक पर्यटनहे कम महत्व डेहे परल कना पक्के नैहो ।

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्चुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-४५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२४७१
ईप्रका लम्की ०९१-४४०९९९
ईप्रका भजनी ०९१-४८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-४२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-४५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-४२९१४४
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-४६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-४२३६४३
कृषि विकास बैक ०९१-४२९२३४
मालिका विकास बैक०९१-४२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-४२४६४०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-४२१७८४
सिटिजन बैक ०९१-४२७४८४
कुमारी बैक ०९१-४२६०३८
सनराईज बैक ०९१-४२४८४०
नेपाल इन्भेसमेन्ट बैक०९१-४२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-४२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-४२११०१
जिल्ला विकास .०९१-४३२४६०
नगरपालीका .०९१-४२१४२९
मालपोत.०९१-४२१२०१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
कृषि विकास .०९१-४२३२४४, भूमि सुधार.०९१-४२१२३४
जिल्ला हुलाक.०९१-४२११४२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६४
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-४२१२७१
नवजिवन ०९१- ४२१२३३/४२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४
पद्मा धनगढी ०९१-४५०३४५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-४५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४०
ढ्मकल ९०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-४२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ४२१२३७, ४२३९७१
एम्बुलेन्स : ४२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८४४७४४०
विद्युत : ४२११४४
दिनेश मेटल ०९१-४२१३९२
होटल
डिमोटी ०९१-४२३९१८/४२४९३१
जगदम्बा०९१-४२३४९०, विद्या०९१-४२३२७३
तरुण ०९१-४२४६९३, सनलाईट०९१-४२१४३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१
ह्यालुप्लाजा०९१-४२२८३०/४२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४१९४
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-४२१२४२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१

समस्याग्रस्त बाघ १७ पुगल, व्यवस्थापन करना धौधौ

काठमाडौं, २४ सावन । नेपालमे समस्याग्रस्त बाघके संख्या १७ पुगल बा । समस्याग्रस्त बाघहे सरकारसे नियन्त्रणमे लेके खोरमे ढैके पल्ना करल बा ।

सन् २०२२ मे करल राष्ट्रिय बाघ गणनाअनुसार नेपालमे बाघके संख्या ३५५ पुगल रहे । बाघ पैना क्षेत्रमे हरेक वर्ष करना नियमित अनुगमनमे यी संख्या पाछेक दिनमे वृद्धि हुइल अनुमान करल बा । चालु आर्थिक वर्षमे बाघके गणना करना सरकारसे बजेट विनियोजन करल बा ।

समस्याग्रस्त बाघहे टमान स्थानमे निर्माण करना वन्यजन्तु उद्धार केन्द्र तथा खोरमे ढरना करल बा । समस्याग्रस्त बाघहे नियन्त्रणमे लेके हाल जावलाखेलके सदर चिडियाखानामे पाँच ठो बाघ ढरल बा । अस्टेक चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जमे ६ ठो, बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्जमे चारठो, बाँके ओ पर्सा राष्ट्रिय निकुञ्जमे एक-एक ठो बाघ निकुञ्जमे रहल वन्यजन्तु उद्धार केन्द्रमे ढरल बा ।

नेपालमे बाघ पर्सा, चितवन, बाँके, बर्दिया ओ शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज ओ उ वरपरके क्षेत्रमे मिल्न करल बटैं । विश्वमे लोपोन्मुख अवस्थामे पुगल बाघके संख्या नेपालमे वृद्धि हुइलसँगे बाघसे स्थानीय समुदाय पीडित हुइलपाछे समस्याग्रस्त बाघहे प्राकृतिक वासस्थानसे नियन्त्रणमे लेहल पाइल बा ।

प्राकृतिक वासस्थानसे बाहेर निकरना मनै, पशुवस्तु, भेडाबाखा खाइलपाछे ओइसिन बाघहे सरकारसे समस्याग्रस्त वन्यजन्तु घोषणा कैके लठ्यइना औषधी (डार्ट) प्रयोग कैके नियन्त्रणमे लेना करल बा । वनमे शिकार करे नैसेक्नामेरिक बिरामी होके, घाहिल होके, बुह्राइल लगायतके कारणसे बाघ निकुञ्जके वरपरके बस्तीमे पेल्के आक्रामक बनलओरसे सरकार डार्ट करना करल बा ।

राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु विभागके सूचना अधिकारी हरिभद्र आचार्यके अनुसार चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जके खोरमे ढरलमध्ये एक बाघ वृद्ध अवस्थामे मरल बा । हाल चितवनमे पाँचठो बाघहे नियन्त्रणमे ढरल बा ।

बर्दियामे ६ ठो बाघ नियन्त्रणमे लेके खोरमे ढरलमध्ये बुह्राके कालगतिसे दुईठो बाघ मरलपाछे हाल चारठो बटैं । निकुञ्ज क्षेत्रमे निर्माण करल खोरमे ढरना ठाउँ साँकिर हुइलओरसे समस्याग्रस्त बाघहे सदर चिडियाखाना जावलाखेलमे नन्ना करल बा ।

बाघ मिल्ना निकुञ्ज वरपरके मध्यवर्ती क्षेत्रके स्थानीय घाँस दाउरा करना, कोचिया, च्याउलगायतके सागपात टुरेबेर, गाईभैंस, भेडाबाखा चराए गैल बेला बाघके आक्रमणमे परना करल बटैं । बाघके आक्रमणसे मरनाके संख्या बिटल पाँच वर्षमे ४२ जाने पुगल बटैं ।

हुइना टे सरकारसे वन्यजन्तुके वासस्थान व्यवस्थापनमे उचित ध्यान डेडि आइल बा । निकुञ्जभित्रे बाघके आहारा प्रजातिहे चाहना गुणस्तरीय घाँसेमैदान निर्माण, पानीके स्रोतके व्यवस्थापन कैके बाघके आहारा प्रजातिके संख्या वृद्धि करटि आइल बा ।

बाघसे बँदेल, चित्तल, जरायो, हरिण, निलगाई, गौरीगाई, मृग लगायतके वन्यजन्तुके शिकार करठ । प्राकृतिक वासस्थानमे शिकार करे नैसेक्ना अवस्थामे पुगलपाछे बाघ गाउँबस्तीओर पेलल बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्जके वरिष्ठ संरक्षण अधिकृत डा. अशोककुमार राम बटैलैं ।

डा. राम कलैं, 'वनजंगलमे एक आपसमे जुधके घाहिल होके अशक्त होके, बुह्राके दाँत, नोह् खियाइल लगायतके कारणसे बाघ मनै, गाईगोरु, भेडाबाखा खैना करठ । हात्ती, गैंडाजैसिन जनावरहे नियन्त्रणमे लेके फेन जंगलमे छोरे सेक्लेसे फेन मांसाहारी जनावर बाघहे जंगलमे छोरलेसे फेन क्षति करे सेक्ना हुइल ओरसे खोरमे ढरना उपयुक्त रहठ ।'

अइसिके नियन्त्रणमे लेके खोरमे ढैके बाघके पालनपोषण ओ स्याहारसुसार करना धौधौ हुइल बा । प्रतिबाघ, प्रतिहप्तामे कम्तीमे ३० किलोग्राम मासु आहारके लाग डेना करल बा । आहार, स्याहारसुसार तथा अन्य व्यवस्थापन करना प्रतिमहिना प्रतिबाघ एक लाख रुपियाँसे ढेर लागठ ।

यी रकम सरकारके नियमित बजेटमे विनियोजन नैहुइना करल ओरसे संरक्षण साझेदार संस्थाके सहयोगमे खोरमे ढरल बाघहे पल्ना काम हुइल बा ।

बाघसे जत्राफेन समस्या सिर्जना करलेसे फेन विश्वमे दुर्लभ मानल वन्यजन्तु हुइल ओरसे यिहिनहे मरना ओ बेचबिखन करे नैमिल्ना कानुनी प्रावधान बा । बाघलगायतके दुर्लभ वन्यजन्तुके बेचबिखन, ओसारपसार लगायतके काममे प्रतिबन्ध लगैना टमान अन्तर्राष्ट्रिय सन्धी, सम्झौतामे नेपाल हस्ताक्षर करले बा ।

राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण ऐन २०२९ से नेपालमे बाघहे संरक्षित वन्यजन्तु मानल बा । उ ऐनके दफा १५ मे कौनो संस्था, स्थानीय निकायसे संरक्षण शिक्षा, मनोरञ्जन, प्रजनन, वंशाणु स्रोतके संरक्षण तथा अध्ययन अनुसन्धान प्रयोजनके लाग तोकल बमोजिमके इजाजत प्राप्त कैके चिडियाखाना सञ्चालन करे सेक्ना व्यवस्था करल बा ।

हाल राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण नियमावली संशोधनके क्रममे बा । विभागसे ओहे ऐनअनुसार नियमावली संशोधन कैके समस्याग्रस्त बाघके व्यवस्थापन करना प्रदेशस्तरके चिडियाखानामे ढरे सेक्ना व्यवस्था करना प्रस्ताव करल विभागके महानिर्देशक डा. रामचन्द्र कँडेल जानकारी डेलैं ।

उहाँक अनुसार समस्याग्रस्त बाघहे पर्यापर्यटनसँग जोरना बाघके उचित व्यवस्थापन करे सेक्ना ओ पर्यापर्यटनके सम्भावना फेन वृद्धि हुइना डेखाइल बा । बाघहे देखाके पर्यापर्यटनके विकास करे चाहल सामुदायिक वन, स्थानीय तह ओ प्रदेश सरकारसे निर्माण करल छोट छोट चिडियाखानामे ढरे सेक्ना व्यवस्था हुइलेसे प्राकृतिक वासस्थानसे बाहेर निक्रल बाघके उचित समाधान हुइना महानिर्देशक डा. कँडेल विश्वास व्यक्त करलैं ।

संसद्से जलस्रोत विधेयकके पुनर्लेखन

काठमाडौं, २४ सावन । संघीय संसद्के दुनु सदनसे मूल विधेयकके अधिकांश व्यवस्थाहे प्रतिस्थापन करना मेरिक पुनर्लेखन करटि जलस्रोत विधेयक, २०८१ पारित करले बा । प्रतिनिधि सभासे परिमार्जनसहित पारित उ विधेयकहे राष्ट्रिय सभा थप परिमार्जन करना मेरिक शुकके रोज पारित करल हो ।

राष्ट्रिय सभाके बैठकसे प्रतिनिधि सभासे सन्देशसहित प्राप्त विधेयकके प्रस्तावना, दफा ओ अनुसूचीसमेत परिवर्तन एवं परिमार्जनसहित पारित करल हो । जलस्रोतके संरक्षण ओ उपयोगके बहुआयामिक विकास, जलउत्पन्न विपत् न्यूनीकरणके लाग दिगो तथा एकीकृत व्यवस्थापन कैके प्राप्त लाभके न्यायोचित वितरण ओ अन्तरपुस्ता समन्यायके आधार सुनिश्चित करना जलस्रोतसम्बन्धी काननुहे संशोधन ओ एकीकरण करना जलस्रोतसम्बन्धी कानुन निर्माण हुइ लागल हो ।

राष्ट्रिय सभासे पारित करल संशोधनसहितके विधेयक पुनः प्रतिनिधि सभामे जाइ । प्रतिनिधि सभासे उ संशोधन स्वीकार करलपाछे प्रमाणीकरणके लाग राष्ट्रपतिसमक्ष पठाजाइ । मूल विधेयकके प्रस्तावनाहे प्रतिनिधि सभासे परिवर्तन कैके औरे प्रस्तावना ढरलमे राष्ट्रिय सभासे दुनुहे अस्वीकार कैके प्रस्तावना पुनर्लेखन करल बा ।

राष्ट्रिय सभामे पेस हुइलपाछे विधेयकउप्पर संशोधनके आह्वान होके ३२ जाने सदस्यसे १०८ ठो बुँदामे संशोधन ढरना । उप्पर सदनके विधायन व्यवस्थापन समितिसे विधेयकके प्रस्तावनासहित ५० ठो दफा, उपदफा ओ अनुसूचीमे संशोधन कैके परिमार्जन करल हो ।

मूल विधेयकमे जम्मा ४० ठो दफा बा । प्रतिनिधि सभाके ५० जाने सदस्यसे ३६ ठो दफा ओ अनुसूचीसहित १५७ बुँदामे संशोधन प्रस्ताव करल रहे । प्रतिनिधि सभाके पूर्वाधार विकास समितिसे दफावार छलफल कैके प्रतिवेदन पारित कैके करिब ३६ ठो दफा पुनर्लेखन करल ।

प्रतिनिधि सभासे मूल विधेयकमे नैरहल 'बाँधके सुरक्षा' परिच्छेद थपल । जलस्रोत तथा ऊर्जा आयोगके कामकारबाही करना कार्यकारी समिति ढरना दफा थप करल । संघीय संसद् सचिवालयके उपसचिव नुमराज खनालसे दफा १, ३, १०, ११, १२ ओ १३ बाहेक जलस्रोत विधेयकके बाँकीके सब दफा प्रतिनिधि सभासे पुनर्लेखन कैके आइल जानकारी करैलैं ।

समितिमे दफावार छलफलके लाग प्रस्तुत होके पहिल तीन ठो बैठकमे सदस्यसे विधेयकके व्यवस्थाप्रति तीव्र असन्तुष्टि ओ असहमति कैके सरकारसे विधेयक फिर्ता लेके सहज करेरना धारणा व्यक्त करले रहैं । समितिके सभापति तुलसाकुमारी दाहाल उ विषय समितिके अधिकार क्षेत्रभित्तर नैरहल प्रस्ट्याके छलफलके माध्यमसे परिमार्जन कैके कानुनहे समृद्ध बनैना जोड डेलैं ।

राष्ट्रिय सभासे 'बाँधके सुरक्षा' सम्बन्धी परिच्छेदहे पुनर्लेखन करले बा । प्रतिनिधि सभासे थपल विधेयकके उ परिच्छेद विवादित बनल रहे । नेपालके सार्वभौमिकताहे चुनौती डेना मेरिक विदेशी सेनाहे आइ डेना मनशायके साथ उ व्यवस्था करल कटि जलस्रोत विज्ञ तथा सभाके सदस्य उ परिच्छेद हटाइपरना जोड डेले रहैं ।

समितिसे अन्तिम समयमे बाँधके सुरक्षासम्बन्धी परिच्छेदहे हटाके 'बाँधके वर्गीकरण, सुरक्षा ओ संरक्षण' शीर्षक ढैके पुनर्लेखन करल हो । राष्ट्रिय सभासे करल परिवर्तनपाछे बाँधके सुरक्षासम्बन्धी सक्कु जिम्मेवारी आब नेपाल सरकारमे रहना प्रस्ट्याइल बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

गाजामे अत्यावश्यक सामग्रीके चरम अभाव, राहत ढुवानीमे ढिलाइ

काठमाडौं, २४ सावन । गाजा क्षेत्रमे जारी युद्ध, घरबारविहीनता ओ अत्यधिक गर्मीके बिच वहाँक सर्वसाधारणहे दैनिक आवश्यक वस्तुके खोजी असम्भवजस्टे बन्टि रहल संयुक्त राष्ट्रसंघ जनैले बा ।

संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानवीय मामिला समन्वय कार्यालय (ओसिएचए)से डेहल जानकारी अनुसार गाजावासी अत्यन्त कठिन परिस्थितिसे गुज्रल बा । खैनाचिज, पानी, औषधी लगायतके अत्यावश्यक सामग्रीके चरम अभाव बा कलेसे राहत सामग्री अत्यन्त न्यून मात्रामे गाजा प्रवेश करट बा । ओसीएचएसे गाजामे प्रवेश करना राहत कार्यमे भारी ढिलाइ हुइल जनैले बा ।

गाजाके दक्षिणी भागमे रहल समुद्री पानीहे पिना योग्य बनैना केन्द्रके विद्युत् आपूर्ति लाइन यी साताभित्रे तेसर चो क्षतिग्रस्त हुइल बा । यी कारण केन्द्रसे अपन कुल क्षमताके १४ प्रतिशतसे कम किल सञ्चालन करे सेकल बा । यद्यपि कुछ व्यावसायिक गाडी गाजामे प्रवेश करलपाछे कुछ खाद्यान्न सामग्रीके मूल्यमे सामान्य गिरावट आइल डेखाइल बा, मने अधिकांश खाद्यवस्तु अभिन महँगा बा ओ सहजे उपलब्ध नैहो ।

ओसिएचएसे हवाईमार्फत गिराइल राहत सामग्रीके कारण टमान स्थानमे नागरिकके ज्यान जैना वा घाहिल हुइना घटना फेन हुइल जनैटि राहत आपूर्तिके सबसे सुरक्षित ओ प्रभावकारी माध्यम स्थल मार्ग रहल बटाइल बा । यीबिच, संयुक्त राष्ट्रसंघके महासचिव एन्टोनियो गुटेरेसके प्रवक्ता स्टेफनी ट्रेम्ब्लेसे जारी करल विज्ञप्तिमे गाजा सहरमे नियन्त्रण लेना इजरायली निर्णयप्रति महासचिव गम्भीर चिन्तित रहल जनाइल बा ।

उ निर्णयसे अवस्था और भयावह बनैना, नागरिकके ज्यान जोखिममे परना ओ लाखौं गाजावासीउप्पर थप विनाश नन्ना चेतावनी महासचिव डेले बटैं । ओसीएचएसे राहत सामग्री सब नाकासे तथा सब सम्भव मार्ग हुइटि निर्बाधरूपमे प्रवेश करना डेहेपरनामे जोड डेटि, ओइसिके सहायता व्यापक रूपमे पहुँचाइ सेक्ना स्पष्ट परले बटैं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न हस्पिटल

Advanced Healthcare for all...

निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू

- जनरल फिजिसियन (पेट,छाती,मुटु) रोग विशेषज्ञ
- रेडियोलोजी विशेषज्ञ
- न्युरो, मस्तिष्क, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ
- हाडजोर्नी तथा स्पोर्टस फिजियोथेरापिष्ट
- हाडजोर्नी तथा नशारोग विशेषज्ञ
- जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन
- स्त्री तथा प्रसुति रोग विशेषज्ञ
- नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
- नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ
- एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ
- मुख, अनुहार तथा बङ्गारा विशेषज्ञ
- मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
- छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ
- मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ
- मुटु रोग विशेषज्ञ

भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म

DONATE SAVE LIFE | 24सै घण्टा आकस्मिक सेवा | सिटी स्क्यान सेवा | फिजियोथेरापी सेवा

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal

091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745

www.nisargahospitalnepal.com /nisargahospitalnepal

शुक्लाफाँटामे दीर्घरोगीके संख्या बह्दटी

कञ्चनपुर, २४ सावन । शुक्लाफाँटा नगरपालिकामे क्यान्सर, मिर्गौला, स्पाइनल इञ्जुरीलगायत दीर्घकालीन रोगके बिरामीके संख्या बह्दटी गैल बा । प्रारम्भिक जाँच तथा उपचार पहुँचके अभाव, समयमे रोगके पहिचान नैहुइना ओ जनचेतनाके कमीजैसिन कारणसे दीर्घरोगीके संख्या दिनप्रतिदिन बह्दटी गैल नगरपालिका स्वास्थ्य शाखाके प्रमुख परमानन्द भट्ट बटैलै ।

ओहकान अनुसार विगत तीन बरसके तुलनामे स्वास्थ्य संस्थामे उपचारके लाग अउइया दीर्घरोगीके संख्या उल्लेखनीय रूपमे बह्दल बा । विशेष कैके क्यान्सर, मिर्गौला फेल हुइना ओ स्पाइनल इञ्जुरी (मेरुदण्डमे चोट वा कमजोरी) रहल बिरामी उपचार नैपाके जटिल अवस्थामे पुगलपाछे अइना करल उहाँके कहाइ रहल बा ।

आव २०८१/८२ मे किल नगरके टमान वडासे क्यान्सरके ४९, मिर्गौला डायलासिस करैटी रहल १२, मिर्गौला प्रत्यारोपण करल एक, स्पाइनल इञ्जुरीके तीन जाने बिरामी स्वास्थ्य शाखामे दर्ता हुइल प्रमुख भट्ट जानकारी डेलै । ओहकान अनुसार आव २०८०/८१ मे क्यान्सरके ३९, मिर्गौला डायलासिस करैटी रहल १६, मिर्गौला प्रत्यारोपण करल एक ओ स्पाइनल इञ्जुरीके दुई जाने बिरामी दर्ता हुइल रहिट । आव २०७९/८० मे क्यान्सरके ३०, मिर्गौला डायलासिस करैटी रहल १३, मिर्गौला प्रत्यारोपण करल एक जाने सहित कूल ४४ जाने बिरामी स्वास्थ्य शाखामे दर्ता हुइल रहिट ।

दर्ता हुइल बिरामीहे नगरपालिकासे मासिक उपचार खर्चबापत रु पाँच हजारके दरसे उपलब्ध करैटी आइल भट्ट जानकारी डेलै । उहाँ स्वास्थ्य संस्थाके सम्पर्कमे नैआइल बिरामीके संख्या आउर ढेर हुइ सेक्ना बटैलै । ओहकान अनुसार क्यान्सरके कारण तीन बरसके अवधिमे नगरपालिकाके सात जनहनके मृत्यु होसेकल बा ।

दीर्घरोगीमे अन्यके तुलनामे दलित तथा आदिवासी जनजाति समुदायके महिला ओ पुरुषके संख्या ढेर रहल बा । स्वास्थ्यकर्मीके अनुसार स्थानीयमे स्वास्थ्यप्रति चेतनाके कमी, अस्पतालसम समयमे नैपुग्ना, तथा कतिपय अवस्थामे धार्मिक वा परम्परागत उपचारमे निर्भर हुइनासे रोग गम्भीर बन्ना प्रमुख कारण रहल बावै । करिब ७० प्रतिशत बिरामी आर्थिक अभावके कारण चितवन, काठमाडौँ वा अन्यत्र उपचारके लाग जाइ सेकल नैहुइट ।

झलारी पोली हेल्थ क्लिनिकके स्वास्थ्यकर्मी प्रेम धामीके अनुसार धुमपानके बह्दल प्रयोग ओ खानपानमे नियन्त्रण नैहुइना जैसिन कारणसे क्यान्सर ओ मिर्गौला रोगीके संख्या हरेक बरस बह्दटी रहल बा । "सबसे बरवार चुनौती कहलक रोग समयमे पहिचान हुइ नैसेक्ना हो," उहाँ कहलै, "क्यान्सरके बिरामी प्रायः अन्तिम चरणमे किल उपचारके लाग स्वास्थ्य संस्थामे पुग्ना करठै, ओकर पाछे उपचार सम्भव नैहुइठ्, मिर्गौला रोग ओ स्पाइनल इञ्जुरीके बिरामी फेन इहे समस्यासे ग्रसित बटै ।"

स्वास्थ्य प्रणालीके पहुँच अभावसँगे सामाजिक ओ आर्थिक पक्ष फेन दीर्घरोगीके संख्यामे वृद्धि हुइनाके कारण डेखल बा । स्वास्थ्य शाखा प्रमुख भट्टके अनुसार दीर्घकालीन रोगके प्रभावसे परिवारके आर्थिक अवस्था कमजोर पर्ना, कार्यक्षमता घटैना ओ सामाजिक समस्या सिर्जना कैना हुइल ओरसे इहीहे गम्भीर रूपमे लेना आवश्यक बा ।

नगरपालिकासे दीर्घरोग नियन्त्रणके लाग जनचेतना, प्रारम्भिक जाँच ओ उपचार सेवा विस्तार कैना योजना बनाके कार्यान्वयनमे लाने पर्ना डेखजाइठ् । नगरमे आधारभूत सेवा ओ प्राथमिक उपचार सेवा किल उपलब्ध रहल बा । विशेषज्ञ उपचार सेवाके लाग नगर क्षेत्र बाहर जाइ पर्ना बाध्यता बा ।

बाँसगढी ५ हाउपुर गाँउमे हरेरी पुजा कैगिल

पहुरा समाचारदाता

बर्दिया, २४ सावन । बाँसगढी नगरपालिका ५ हाउपुर गाँउमे हरेरी पुजा कैगिल बा ।

थारु समुदायमे धान बैठाके सेकल पाछे धानमे गाँज डारलग्लसे बर्खा खेतीके सुरक्षाके लाग हरेरी पुजा कर्ना चलन बा । उहे मान्यता व परम्परा अनुसार बालीनालीमे रोगकिरा नैलागिट, बाली सप्रे कना उदेश्यले गाउँक साझा देउथान भुइह्यार, भुमिदेवक थारु परम्परा अनुसार पुजा कैगिलक हो ।

१ सय ३६ घर धुरी किसान रहल हाउपुरमे गैलके ३ बर्ष पहिले हरेरी पुजाके लाग घरौरी १५० रुपैया उठैलक बचल रुपैयाले ई बर्षफे हरेरी पुजाके लाग चहना सामन जुटा गैलक गाँउक बरघर आषिश थारु जनैल बटै ।

बरघर थारुके अगुवाईमे देशवन्ध्या गुर्वा मंगटु थारु, केसौका राम गोपाल थारु व गाँउक किसानहुक्रे गाउँक ठन्वमे जाके भुइह्यार अथवा भुमिदेवह प्रसाद चह्राके विधिपुर्वक हरेरी पुजा करल बटै ।

ओसहेख काल विहान गाउँक देशबन्ध्या गुर्वा मंगटु थारु दुध, कुस व अछ्ता साजख बनैलक खिरभनहे गाउँक शीर कुलव डुर्लसे गाउँभरिक खेतुवामे जैना व धानमे लाग्न किरा गाँधी, गुभिया, फटिंग्ना व रोगव्याधिमसे सुरक्षित हुईना धार्मिक जनविश्वास रहल बा । कलेसे वर्खा खेतीमे पैठनासे पैलह ढुरिया पुजा करल पाछे ढर्लक मन्द्रा हरेरी पुजा करलसग खुल्ना व थारु गाउँमे नाचगान कर्ना चलन रहल बा । हरेरी पुजामे गाँउक ३६ जाने किसानके उपस्थितीमे निम्जल रहे ।

मानव बेचबिखन अपराध हो ।

❖मानिसलाई झुक्याएर बन्धक बनाउने वा दास बनाउने,

❖मानिसलाई खरिद बिक्री गर्ने र जबरजस्ती काममा लगाउने,

❖कुनै प्रकारको फाइदा लिई वा नलिई वेश्यावृत्तिमा लगाउने,

❖प्रचलित कानून विपरीत मानव अङ्ग झिक्ने वा व्यापारिक प्रयोजनमा खरिद बिक्री गर्ने,

❖वेश्यागमन गर्ने वा गराउनेजस्ता कार्य मानव बेचबिखन मानिने कार्य हुन् ।

यस्ता कार्य गर्ने गराउने व्यक्तिलाई कानूनबमोजिम कारवाही हुन्छ ।

त्यस्तो कार्य कहि कतै भए गरेको जानकारी भए नजिकको प्रहरीमा खबर गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुदूरपश्चिम किसान महासंघके पहिल अधिवेशन चैत २८ गते हुइना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ सावन । नेपाल किसान महासंघ सुदूरपश्चिम प्रदेश समितिके पहिल प्रदेश अधिवेशन यिहे सावन २८ गते धनगढीमे हुइना बा ।

कार्यक्रममे माननीय परराष्ट्रमन्त्री तथा नेपाली कांग्रेसके नेतृ डा. आरजु राणा देउवा प्रमुख रना जनागिल बा । नेपाली कांग्रेस सुदूरपश्चिम प्रदेश समितिअन्तर्गतके किसान महासंघके यी पहिल प्रदेशस्तरीय अधिवेशन हो, जेम्ने पार्टीके टमान तहके नेताहुक्रे, कार्यकर्ता तथा किसान प्रतिनिधिहुकनके व्यापक सहभागिता रना अपेक्षा करल बा ।

अधिवेशनसे किसान महासंघके अइना कार्यदिशा, संगठन सुदृढीकरण तथा किसान अधिकारसम्बन्धी नीतिगत धारणा तय करी ।

धनगढीस्थित होटल रुवसमे हुइना अधिवेशनमे प्रदेशभरके किसान महासंघके पदाधिकारी, स्थानीय नेता ओ कांग्रेस कार्यकर्ताके उपस्थिति रना बा ।

कार्यक्रमबारे जानकारी डेटी नेपाली कांग्रेसके क्षेत्रीय सभापति भीम पडाल कहलै, "यी अधिवेशन केवल संगठनात्मक प्रक्रिया केलह नैहो, सुदूरपश्चिमके किसानके हकहितके पक्षमे प्रभावकारी कदम चल्ना ऐतिहासिक अवसरफे हो । डा. आरजु राणा देउवा जैसिन राष्ट्रिय नेतृके प्रमुख आतिथ्यसे कार्यक्रमके गरिमा आउर बढाई ।"

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

Empowering Futures through Technical Excellence !

CTEVT

Admission Open!

30 Seats Only

Certificate in Medical Lab Technology

Three-Year Diploma Program

Entry Requirement

- Min. 2.0 GPA in SEE or equivalent with grades in compulsory mathematics, science, and English. Or
- TSLC in Medical Laboratory Technology with 68.33%

Career Opportunities

- Hospitals and clinics
- Diagnostic and research laboratories
- Blood banks
- Pharmaceutical and biotech industries
- Self-employment in medical labs
- Government jobs

Further Studies and Career

- Bachelor in Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Science in Laboratory Medicine
- Bachelor of Public Health (BPH)
- Bachelor of Pharmacy (BPharm)
- Bachelor of Nursing (BSc Nursing)
- B.Sc. in Microbiology/Biochemistry/Biotechnology

Contact Us

ATTARIYA TECHNICAL COLLEGE

GODAWARI-2, ATTARIYA, KAILALI

091-551286 | 9848412999

9742410357 | 9841672834

attariyatc@gmail.com

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

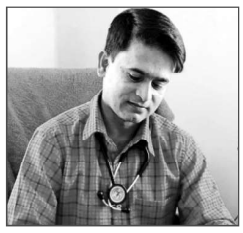

डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ह्याउ-ह्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९